वर्ष:3 | अंक: 144 | पृष्ठ:4 | पाक्षिक-हिन्दी | मूल्य: 5 रुपये | जालंधर, सोमवार 23 अक्तूबर 2023 | संपादकः रमेश चन्द्र नेय्यरः 9855559913

या देवी सर्व भूतेषु मां रुपेण संस्थिता।
या देवी सर्व भूतेषु शक्ति रुपेण संस्थिता।
या देवी सर्व भूतेषु बुद्धि रुपेण संस्थिता।
या देवी सर्व भूतेषु लक्ष्मी रुपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै। नमस्तस्यै। नमस्तस्यै। नमस्तस्यै। नमो नमः।।

मां कालिका कष्ट हरे

जालंधर सिटी लवर्स न्यूज़

जालंधर सिटी लवर्स
जालंधर/रोबिन

उत्तर भारत के शक्तिपीठ श्रीदेवी तालाब मंदिर परिसर स्तिथ महाकाली माता मंदिर में स्थापित मां काली की प्रतिमा के दर्शन वैसे तो सारा वर्ष माँ के भक्तों के लिए खुले रहते हैं, लेकिन मंदिर परिसर में स्थित साधना कक्षा में स्थापित मां काली के दर्शनो के लिए महिलाओं व बच्चो के लिए दशहरे पर्व के दिन मंदिर के कपाट खुलते हैं। जिस दिन भक्तों की अपार भीड़ रहती है। जिसमें मुख्य रूप से महिलाएं व बच्चे भक्तजन शामिल होते हैं। इस बार भी दिन मंगलवार 24 अक्टूबर को दशहरे पर्व के दिन मंदिर केक का पाठ महिलाओं व बच्चों के लिए मां के दर्शन हेतु खोले जाएंगे।

क्या है मान्यता

ट्रस्ट महाकाली माता मंदिर के प्रधान तरसेम लाल,महासचिव नरेंद्र सहजपाल, सेवादार राघव धीर,पंडित कृष्ण कुंडल शास्त्री ने बताया कि मंदिर परिसर में स्थित एक साधना कक्ष में मोनी बाबा जी माँ कालीं की साधना करते होते थे, इस दौरान महिलाएं व बच्चे भी आते थे। जिसके चलते साधना में कुछ कारणों से विघ्न पड़ता था, जिस पर मोनी बाबा जी की ओर से साधना कक्ष में महिलाओं व बच्चों के आने पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन महिलाओं को बच्चों के बार-बार आग्रह करने पर मोनी बाबा जी की ओर से सिर्फ दशहरे पर पर साधना कक्ष में आने की छूट दी थी। पंडित जी ने बताया कि शास्त्रों में मान्यता है कि मां काली की साधना करने से सभी कष्ट दूर होते हैं। मैं सबकी मनोकामना पूरी करती है। सेवादार राघव धीर ने बताया कि दशहरे पर पर हर वर्ष मंदिर परिसर में विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। जिस दौरान प्रसिद्ध गायक अपनी हाजिरी भरते हैं व भंडारी का भी आयोजन किया जाता है।

मंदिर परिसर मैं है सभी देवी देवताओं का वास

मां काली माता मंदिर में समस्त देवी देवताओं का वास है। जहां भक्तजन दर्शन कर पुण्य कमाते हैं। मंदिर परिसर में गणपति गणेश, वीर बजरंगी हनुमान, शिवालय मां नैना देवी, मां चिंतपूर्णी, मां संतोषी माता, मां दुर्गा माता, मां काली माता, बाबा बालक नाथ, बाबा भैरव नाथ,बाबा भृगु हरि महाराज, सहित नवदुर्गा की मूर्तियां स्थापित है।

कंजक पूजन कर भक्तों ने मनाया श्री दुर्गा अष्टमी पर्व

जालंधर सिटी लवर्स
जालंधर/रोबिन

शरद माह के पावन नवरात्रों के चलते आज मां दुर्गा के भक्तों ने अष्टमी पूजन किया। मां गौरी की पूजा अर्था करते हुए कंजक पूजन किया व दुर्गा अष्टमी पर्व को मनाया। जहां भक्तों की ओर से घरों में कंजके के बिठाई गई वहीं मंदिरों में भी कंजक पूजन के बाद मां दुर्गा के समक्ष ज्योति जगाते हुए परिवार में समाज के सुख शांति की कामना की। पंडित किशन कुंडल शास्त्री ने बताया कि मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते से सभी कष्ट दूर होते हैं, जिसके चलते लोग कंजक पूजन करते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि विजयदशमी के पर्व पर मां काली माता मंदिर में भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा वह मंदिर में स्थापित मां काली के दर्शनों के लिए महिला एवं बच्चे भी दर्शन कर पाएंगे। वही समाज सेवक आशीष सहगल ने कहा कि समाज को अब जागरूक होना चाहिए बच्चियों को पैदा होने से पहले नहीं मारना चाहिए, वहीं सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए भ्रूण हत्या पर रोक लगनी चाहिए। महिलाओं से ही समाज है।